

## अध्याय 11

### पतंग

#### प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1.

पतंग का चित्र बनाओ।

उत्तर :

विद्यार्थी स्वयं करें।

प्रश्न 2.

अब कविता बनाएँ।

उत्तर :

सर-सर सरसर उड़ी पतंग  
घंटी बोली टन-टून-टन  
उड़ता कपडा फरफरफर  
चूड़ी बोली खून-खन-खन।

सोचो और लिखो

प्रश्न 3.

तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गई। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

उत्तर :

नीला आकाश, उमड़ते-घुमड़त बादल, रंग-बिरंगी पतंगे. उड़ते पक्षी आदि।

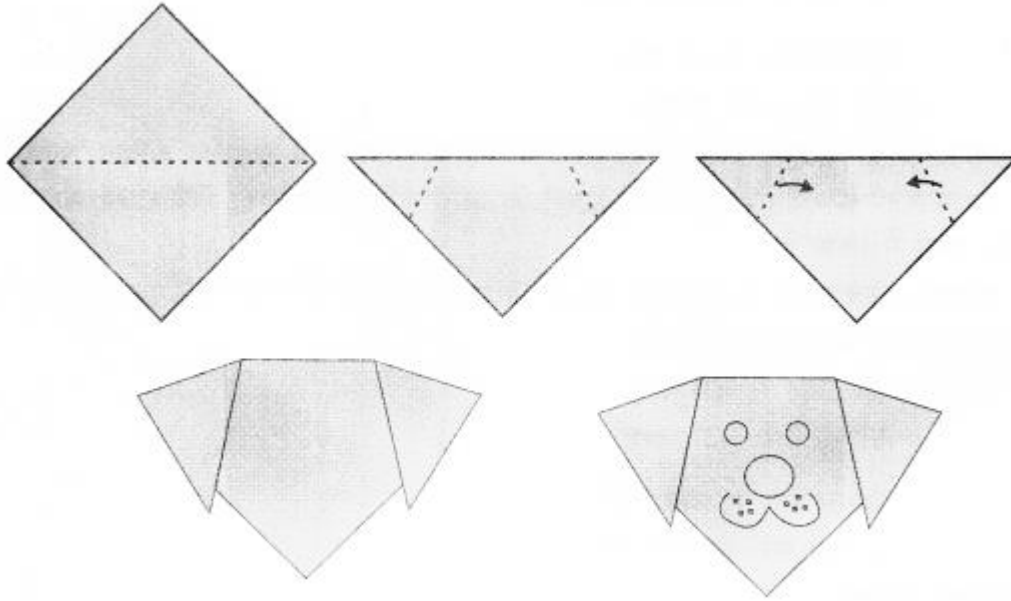
प्रश्न 4.

पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

उत्तर :

मैदान में, छत पर, पेड़ पर, सड़क पर, नदी-नालों में।

प्रश्न 5.  
कागज़ से कुत्ता बनाओ।



## दो अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: पतंग के गुणों का संवाद रूप में उपयोग कैसे हुआ है?**

**उत्तर 1:** पतंग के गुणों को संवाद रूप में प्रस्तुत करके कवि ने उन्हें जीवंत और अनिमेटेड बनाया है, जिससे पठक को उनकी भाषा में सीधे महसूस हो सकता है।

**प्रश्न 2: पतंग को आसमान में उड़ान भरते हुए कवि कौन-कौन सी उपमहाद्वीपीय यात्राओं से जोड़ता है?**

**उत्तर 2:** कवि ने पतंग को आसमान में उड़ान भरते हुए उनकी यात्राओं को एक साहित्यिक रूप में प्रस्तुत करके उन्हें उपमहाद्वीपीय यात्राओं से जोड़ा है, जो सुन्दर छवियों का निर्माण करता है।

**प्रश्न 3: पतंगें एक-दूसरे से कैसे लड़ती हैं और इसका क्या संदेश है?**

**उत्तर 3:** पतंगें एक-दूसरे से लड़कर फिर कटकर लूट जाती हैं, जिससे यह संदेश आता है कि जीवन में संघर्षों और परिस्थितियों के सामना करना अहम है, और अगर हम मेहनती हैं और ठाने मन से लड़ते हैं, तो हम सफल हो सकते हैं।

**प्रश्न 4: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि पतंग आसमान में सर-सर, फर-फर करते हैं?**

**उत्तर 4:** कवि ने पतंग के आसमान में उड़ान भरते हुए उनकी गतिविधियों को विविध शब्दों का उपयोग करके विवरण किया है, जैसे 'सर-सर' और 'फर-फर', जिससे पठक को उनकी चाल का अनुभव हो सके।

**प्रश्न 5: पतंग की उड़ान को कवि ने किस रूप में वर्णन किया है और इसका क्या प्रभाव है?**

**उत्तर 5:** पतंग की उड़ान को कवि ने रोमांटिक और लोकप्रिय भाषा में वर्णन किया है, जिससे पठक को विशेषता से उनकी उड़ान का आनंद लेने का मौका मिलता है।

**प्रश्न 6: पतंग के गुणों के माध्यम से कवि कौन-कौन सी भावनाएं स्वीकार करना चाहते हैं?**

**उत्तर 6:** कवि के माध्यम से पतंग के गुणों को दर्शाने से पुनर्जीवन, साहस, और समर्थन की भावनाएं स्वीकार की जा सकती हैं।

## चार अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: पतंग को कवि कैसे अवश्यक भूमिका देता है?**

**उत्तर 1:** कवि ने पतंग को जीवंत और रोमांटिक भूमिका देते हुए उसे एक उड़नभरी दृष्टिकोण से वर्णित किया है, जिससे पठक उससे जुड़ सकता है और उसका आनंद ले सकता है।

**प्रश्न 2: पतंग के गुणों का वर्णन कैसे किया गया है और उनमें से कुछ गुणों का स्पष्टीकरण करें।**

**उत्तर 2:** कवि ने पतंग के गुणों को विभिन्न भाषाओं और ध्वनियों का सही समन्वय करके एक निर्देशक समीकरण किया है। उसने उसे बेहद स्वतंत्र, सर्वोत्तम, और साहसी बनाया है।

**प्रश्न 3: पतंग की उड़ान का क्या महत्व है और इससे पठक को कैसा सन्देश मिलता है?**

**उत्तर 3:** पतंग की उड़ान जीवन के साथी की उड़ान को दर्शाती है और उससे एक सकारात्मक सन्देश मिलता है कि हमें अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए साहस और प्रयास करना चाहिए।

**प्रश्न 4: कवि ने पतंग की उड़ान को किस प्रकार से वर्णित किया है जो पठकों को उसका महत्व समझाता है?**

**उत्तर 4:** कवि ने पतंग की उड़ान को 'सर-सर' और 'फर-फर' करती हुई वर्णित किया है, जिससे यह अनुभव होता है कि उड़ान भरना एक उत्साही और आनंदमय क्रिया है।

**प्रश्न 5: पतंग के गुणों का अवलोकन करके यह स्पष्ट करें कि वे जीवन में कैसे लाभकारी हो सकते हैं।**

**उत्तर 5:** पतंग के गुण, जैसे कि स्वतंत्रता, उत्साह, और साहस, जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। ये गुण हमें अवसरों का सही तरीके से सामना करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं।

## सात अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: पतंग को कवि की नजर से कैसे देखा गया है और इसका अभिव्यक्तिकरण कैसे किया गया है?**

**उत्तर 1:** पतंग को कवि ने एक स्वतंत्र, साहसी, और उत्साही वस्तु के रूप में देखा है। उसने उसकी उड़ान को 'सर-सर' और 'फर-फर' से सुसंगत करके एक सुखद और जीवन्त चित्रण किया है।

**प्रश्न 2: पतंग का उड़ान भरना जीवन की दिशा में कैसे प्रेरित कर सकता है?**

**उत्तर 2:** पतंग का उड़ान भरना हमें जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण और साहस पैदा कर सकता है। इससे हम अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आत्मविश्वास में सुधार कर सकते हैं और समस्याओं का सामना करने के लिए तैयार हो सकते हैं।

**प्रश्न 3: कवि ने कैसे व्यक्तिगत अनुभवों को पतंग के माध्यम से दिखाया है और इसका कैसे अभिव्यक्तिकरण किया गया है?**

**उत्तर 3:** कवि ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को पतंग के माध्यम से दर्शकों को साझा करने के लिए प्रेरित किया है। उसने पतंग को स्वतंत्रता और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में उपयोग किया है, जिससे दर्शकों को आत्ममुग्ध करने में मदद हो सकती है।

## कविता का सारांश

‘पतंग’ कविता सोहनलाल द्विवेदी द्वारा लिखी गई है। इस कविता में कवि ने पतंग के गुणों को बताया है। कवि कहता है कि पतंग आसमान में सर-सर सर-सर, फर-फर फर-फर करके उड़ती है। एक पतंग दूसरी पतंग को काटती हुई आकाश में खूब सैर-सपाटा करती है। पतंगें एक-दूसरे से लड़ती हैं और फिर कटकर लुट जाती हैं। सर-सर, फर-फर करती पतंग आसमान में उड़ान भरती है।

**प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता ‘पतंग’ से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता सोहनलाल द्विवेदी हैं। इसमें कवि ने पतंग की विशेषताओं का वर्णन बड़े ही रोचक शब्दों में किया है।

**व्याख्या :** आकाश में सर-सर, फर-फर करती पतंग उड़ रही है। सभी पतंगें एक-दूसरे को काटती हुई आकाश में खूब सैर-सपाटा करती हैं।

**प्रसंग :** पूर्ववत्।

**व्याख्या :** आकाश में उड़ती पतंगें एक-दूसरे से लड़ने में जुट गई हैं। जैसे ही पतंग कटती है, बच्चे उसे लूटने के लिए दौड़ पड़ते हैं। फिर आकाश में सर-सर, फर-फर करती पतंग उड़ती फिरती है।